कुछ कर्मों का फल तुरन्त मिलता है। जैसे खाना खाया तो पेट भर गया। कुछ का कुछ दिनों बाद, महीनों बाद, सालों बाद मिलता है।जैसे अभी अनाज बोया तो छह महिने बाद फ़सल निकली। कुछ दवाई सालों लेने पर बीमारी ठीक हुई। ऐसेही कुछ कर्मों का फल मरने के बाद हमें भोगना पड़ेगा। एक बहुत ही सरल नियम है। कर्म का फल अवश्य भोगना पड़ेगा। कोई नही छूट सकता। हमें अब जो मिल रहा है, वो जैसे हमारे पिछले कर्मों परिणाम है, वैसे ही हम अब जो कर्म करेंगे उससे हमारा भविष्य तय होगा।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

इसलिए कर्म करते समय अत्यधिक सावधानी बरतने की जरूरत है। जैसे कोई अनजाने में जहर खाये या जानकर खाये, जहर अपना कमाल दिखाएगा। वैसे ही हमारी मान्यता जो भी हो, कर्म अपना कमाल दिखाएगा। कर्म क्या है? कर्म है मन का चिंतन।

मन की आसक्ति किसी व्यक्ति या वस्तु में बार बार सुख का चिंतन करने से होती है। मरने के बाद हमारी गति वही होगी जहा मरते समय मन की आसक्ति होगी। आसक्ति दोस्ती या दुश्मनी दोनों प्रकार से हो सकती है। इसलिए गलत लोगों से दोस्ती या प्यार करना खतरे से खाली नहीं है। आज कल कुछ लड़कियां गुनहगारों से शादी या दोस्ती करने में बहादुरी मानती है। मरने के बाद जब गुनहगार को नरक मिलेगा तो उन लड़कियों को भी नरक मिलेगा और नरक की भयानक यातनाएं सहन करनी पड़ेगी।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

यदि कोई पाप करता है और हम किसी बहाने उसे अपना समर्थन देते हैं, उसकी मदत करते है तो भी हमें दण्ड भोगना पड़ता है। अतः सही क्या, गलत क्या ये